अस्थाई रंग के प्रकार	प्रयोग	परिणाम
रिन्स (Rinse)	गीले बालों में प्रयोग किया जाता है।	अगले वॉश तक टिके रहते है।
कलर शैम्पू (Color shampoo)	गीले बालों में प्रयोग किया जाता है।	अगले वॉश तक टिके रहते है।
कलर स्प्रे (Color spray)	सूखे बालों पर लगाया जाता है।	अगले वॉश तक टिके रहते है।
क्रेयॉन तथा मस्कारा (Crayon and mascara)	सामान्य मेकअप व थियेटर मे काम करने वालो द्वारा भौएं या पुतलीयों पर लगाया जाता है।	अगले वॉश तक टिके रहते है।

सभी प्रकार के हेयर रंग का प्रयोग व प्रक्रिया (Use of all types of hair colour and its procedure)

अभ्यास 2.3.06 से सम्बन्धित सिद्धांत

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- अस्थाई रंग के प्रकार, प्रयोग व परिणाम
- अर्ध स्थाई रंग के लिए प्रक्रिया सहित आवश्यक सामग्री और उपकरण
- स्थाई रंग की प्रक्रिया
- शाधितं बालों पर कलर करना
- बालो पर रंग का परिष्करण

हेयर कलर को लगाने की सभी प्रकार की प्रक्रिया (Procedure of applying all types of hair color)

- अस्थाई रंग (Temporary color)
- अर्ध स्थाई रंग (Semi permanent color): ग्राहक पर इसका प्रयोग करने से पूर्व उत्पाद पर दिए गए निर्माता के निर्देशानुसार कार्य करें।

आवश्यक सामग्री और उपकरण (Material Required)

- एप्लीकेटर बोत्तल तथा ब्रश (Applicator bottel and brush)
- कॉटन (Cotton)
- चुना गया रंग (selected color)
- प्लास्टिक टोपी (Plastic cap)
- रिकार्ड कार्ड (Record card)
- कंघी (Comb)
- संरक्षक क्रीम (Protective creame)
- शैम्पू (Shampoo)
- नेक केप (Neck cap)
- तौलिया (Towel)
- कंडीशनर (Conditioner)
- प्लास्टिक क्लिप (Plastic clips)
- सुरक्षा दस्ताना (Safety globes)
- सेमी परमानेंट कलर (मेहंदी) (Semi-Permanent color) (Heena)

प्रकिया (Procedure)

- ग्राहक को आरामदेह अवस्था में बिठायें और गले में नेक केप लगाए जिससे ग्राहक के कपडे सुरक्षित रह सके।
- मेहंदी का मिश्रण अच्छी तरह से घोल कर तैयार करें।
- मेहंदी का मिश्रण ना अधिक पतला हो जो ना बहे। ना अधिक गाढा हो जिससे फैलाने में तकलीफ ना हो।
- बालों का विभाजन सिर के क्राउन भाग से गोल आकार में बाल लेते हुए मेहंदी लगाएँ और उसका जूड़ा बनाएँ। इस प्रकार हमारा आधार तैयार हो गया।
- सिर के पीछे से छोटे छोटे बाल के विभाजन लें और मेहंदी लगाते हुए उन्हें इस जूड़े के ऊपर लपेटते जाएँ। अब कान के आगे के बाल को इसी प्रकार छोटे-छोटे विभाजन देते हुए मेहंदी लगायें और जूड़े पर लपेटते जाएँ।
- प्लास्टिक केप लगाकर बालों को सुरक्षित कर लें।
- बाल को एक से दो घंटे के पश्चात धोएँ और तौलिए में लपेटे। ड्राइयर की सहायता से सुखा लें।

- क्रिया स्थान को अगले ग्राहक के लिए साफ करके तैयार करें।

स्थाई रंग (Permanent color)

ग्राहक तैयारी व प्रकिया (Procedure)

- ग्राहक को आरामदेह अवस्था में बिठायें और ग्राहक के कपडो को सुरक्षित करने के लिए गर्दन के चारो ओर नेक केप डाले।

- यदि ग्राहक पहली बारी कलर ट्रीटमेंट ले रहा है तो पैच टेस्ट या पट्टी परीक्षण अवश्य करें।
- ग्राहक की बाल रेखा को संरक्षक क्रीम को लगायें।
- क्लाइंट के बालों को चार भागों में बाँट दें।
- यदि आप लाइटर शेड का प्रयोग कर रहें है तो रंग का प्रयोग सघन भाग में सबसे पहले लगाये। तत्पश्चात बाल के मध्य भाग व अंतिम भाग पर प्रयोग करें।
- गहरे रंग का प्रयोग कर रहें है तो रंग को जहाँ पर सफेद बाल है वहाँ पर पहले प्रयोग करें और धीरे धीरे छोटे छोटे बालों के विभाजन करते हुए रंग को लगायें।
- यह क्रिया तब तक करें जब तक सारे बालों पर अच्छे से कलर न लग जाये।
- प्रत्येक सब-सेक्शन (sub-section) के नीचे से ऊपर उठाते हुए रंग को अच्छे तरीके से फैलायें और धीरे धीरे क्राउन भाग की तरुफ जायें।
- यह क्रिया जल्दी जल्दी करें ताकि परिणाम सभी बालों पर एक से दिखें।
- सभी भागों में कलर लगाने के पश्चात क्रॉस-चैक करें ताकि कोई भी बाल बिना कलर लगे न रहें।
- टाईमर को सेट करें और समय व परिणाम प्राप्त होने पर बालों को रनिंग वाटर में धों दें।

शोद्यित बालों पर कलर करना (Coloring on virgin hair): जब पहली बार किसी रासायनिक रंग का प्रयोग बालों में किया जाता है उसे शुद्ध बालों की कलरिंग कहते है। इसके लिए पैच टेस्ट या स्ट्रैण्ड टेस्ट देना आवश्यक है।

बालों पर रंग का परिष्करण (Retouching of color on hair): हर माह बाल लगभग आधा इंच बढ़ते है। जो नये बाल बढ़ते है उन पर रंग का प्रभाव नही होता। बढ़े हुए बालों पर रिटच देना आवश्यक है इसे रिटचिंग कहते है। यह क्रिया उसी रंग के या विभिन्न रंग के प्रयोग द्वारा दी जा सकती है।

कॉनट्राएक्शन / कॉनट्रा इंडीकेशन (Contra actions / Contra Indication)

अभ्यास 2.3.07 से सम्बन्धित सिद्धांत

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- रंग के प्रयोग के बाद रंग का प्रभाव
- रंग प्रयोग करते समय सावधनियां
- सुरक्षात्मक सावधनियां।

कॉनट्राएक्शन (contra actions):

- धब्बे दार या असमान रंग होने पर।
- दो या तीन शैम्पू के पश्चात रंग का हल्का होना।
- सिर की चमड़ी पर खुजली या लाल चकते होना।

परहेज निर्देश (contra indication):

- रंग का प्रयोग बालों पर जल्दी जल्दी नही करना चाहिए जिससे बाल खराब हो सकते है।
- रंग संबंधी सभी सामग्रियों को सील बंद बोतलों में रखें जिससे कि वो हवा व रोशनी के संपर्क में ना आएँ।
- किसी प्रकार की खुजली या जलन हो तो रंग का प्रयोग ना करें।
- रंग लगाने से पूर्व बाल पर ब्रश ना चलायें।
- साफ सुथरे बोत्तल, ब्रश, कंघी और तौलिये का प्रयोग करें।
- ग्राहक के कपड़ों को पूरी तरह सुरक्षित रखें।
- शोद्यित बालों पर पैच टेस्ट या स्ट्रैण्ड टेस्ट अवश्य दें।
- ध्यान रखें कि रंग ग्राहक की आँखों में न चला जायें।
- ग्राहक को सेवा देने से पूर्व दस्ताने अवश्य पहनें।

सुरक्षात्मक सावधानियाँ (Safety precautions)

- पहली बारी रंग ट्रीटमेंट देने से पहले 24 से 48 घंटे का पैच टेस्ट अवश्य दें।
- रंग का ट्रीटमेंट देने से पहले सिर की चमड़ी का निरीक्षण अवश्य करें।
- ग्राहक की मेडिकल इतिहास (Medical history) के बारे में जानकारी अवश्य प्राप्त करें।
- कलरिंग करते समय सुरक्षात्मक दस्ताने अवश्य पहनें।
- कलरिंग करते समय सुरक्षात्मक क्रीम का प्रयोग बाल की रेखा पर अवश्य करें।
- प्रोसेसिंग के समय ग्राहक को किसी भी प्रकार की बेचैनी अनुभव ना होने दें।

परमिंग (Perming)

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप निम्नलिखित कार्य सीख पायेंगें

- स्थाई रूप से बाल को घुघराला बनाना
- PH स्केल का ज्ञान
- विभिन्न बधंनो का ज्ञान
- बाल के निर्माण में बंधनो को योगदान।

परमिंग की परिभाषा (Defination of perming)

परमिंग (Perming) सैलून में दी जाने वाली एक रसायनिक सेवा (Chemical Service) है। जो बाल के भीतरी संरचना को बदलकर स्थाई घुघराले स्वरूप (Pattern) में परिवर्तित करता है। इसे स्थाई इसलिए कहा जाता है क्योकि इस विधि के पश्चात बाल शैम्पू करने के पश्चात घुघरालेपन में कोई बदलाव नही आता बाल वैसे ही घुघराले रहते है इसका प्रयोग -

- केश की घुघराला करने के लिए
- आयतन (Fullness) बढाने के लिए
- केश को सवारने में आसान बनाने के लिए किया जाता है।

बाल की संरचना (Structure of hair)

परमिंग के लिए बाल की संरचना का ज्ञान होना अति आवश्यक है। बाल प्रोटीन से मिलकर हुई है। जो बाल में प्रचूर मात्रा में सम्मिलित है। जैसे सल्फर (Sulfur), नाइट्रोजन (Nytrogen), ऑक्सीजन (Oxygen), कार्बन (corbon) और हाइड्रोजन (Hydrogen) आदि है।

(Meaning of pH scale)

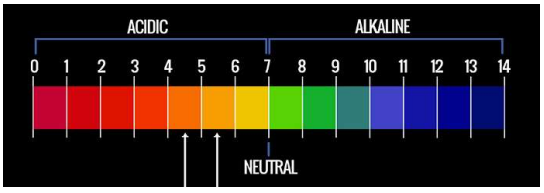

pH Scale का प्रयोग जल में अम्ल की मात्र का जांचने के लिए किया जाता है। जल एक सर्व-विलायक है। जो अपने अंदर किसी भी वस्तु को उसके घ्ण मान सहित घोल सकता है। जल के घ्रुवत्व के कारण अम्लीय व क्षारीय तत्व हमेशा मौजूद रहते है, pH स्केल 0.0 जो अमल की सबसे अधिक मात्रा है से 14.0 जो अम्ल की सबसे कम मात्रा, तक होता है। स्केल के मध्य का भाग उदासीन होता है। क्योंकि इसमें बराबर मात्रा में अम्लीय और क्षारीय तत्व होते है।

बाल पर प्रयोग किया गया कोई रसायनिक उत्पाद (Chemical Product) के प्रयोग पश्चात बाहरी भित्ति का pH 4.5 से 5.5 के बीच वापिस आ जाना चाहिए। जिन रसायनिक उत्पाद (Chemical Product) का प्रयोग ग्राहक (Client) पर किया गया है वह लम्बे समय तक टिकेगा और बाल के रखरखाव व सवारने में आसानी होगी।

Knowledge of Bonds (बंधनो का ज्ञान):

बंधन (Bond) बाल को कोशिका (cell) से एक ठोस रूप में परिवर्तित करती है।

पेप्टाइड बंधन (Peptide Bond)

एमिनो अम्लों को जोडने वाले रासायनिक बंधनो को पेप्टाइड बंधन या अंतिम बंध कहा जाता है। ये बंधन एक साथ जुडकर एमिनो अम्ल (Protien) की श्रृंखला तैयार करता है जिसे पॉलीपेप्टाइड (Polypeptide) श्रृंखला कहा जाता है। यह लम्बे कुण्डलित समूह होते है और आपस में माला के मणको जैसे जुडे रहते है किसी भी रासायनिक सेवा देने से पहले यह जाँचना आवश्यक है कि Peptide बॉड या बंधन टूटे नही है अन्यथा बाल कमजोर हो जाऐंगे और टूट भी सकते है।

डाईसल्फाइड बंधन (Diasuiphide Bond)

दो कोशिकाएँ एमिनो अम्ल (Amino Acid) आपस में मिलकर डाईसल्फाइड बंधन का निर्माण करते है।

पालिपेप्टाइड श्रंखला (Chain) के उपर स्थित एक अणु सल्फर (Atom Sulfer) दूसरी श्रृंख्ला उपस्थित अणु सल्फर क्रास सैक्शन(Cross section) बनाता है। जिसे डाईसल्फाइड बंधन कहते है।

इसे सल्फर बंधन से भी जाना जाता है। ये पेप्टाइड बंधन से कमजोर होते है।

हाइड्रोजन बंधन (Hydrogen Bond)

यह हाइड्रोजन तथा ऑक्सीजन अणु के साथ मिलकर बनता है।

यह क्षीण कायिक बंधन है।

यह एक श्रृंख्ला से दूसरी श्रृंख्ला के बीच भी बन सकता है।

यह बंधन पानी से आसानी से विखण्डित हो जाता है।

बाल के सूखने पर पुराने स्वरूप में लौट आता है।

इस पर किसी भी रासायनिक सेवा का प्रभाव नही पडता।

सॉल्ट बंधन (Salt bond)

मुख्य रूप से बाल में नमी (Moisture) बनाए रखता है।

यह हैलिक्स आकार (Helix shape) को बनाए रखने में सहायक है।

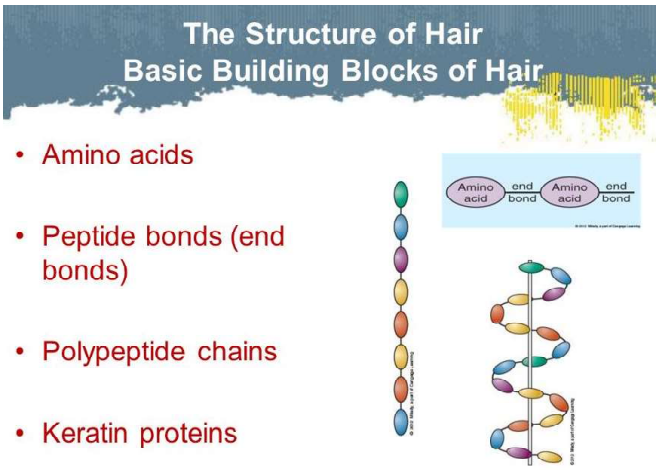

शुगर बंधन (Sugar Bond)

यह अतिंम बंधन है जो पोलिपेप्टाइड श्रृंख्ला के बीच में क्रॉस लिंक बनाता है। इसे इस्टर बंधन (Ester Bond) भी कहते है।

इसके वास्तविक कार्य की कोई जानकारी अभी नही है।

केश के निर्माण में बंधनो का योगदान (Contribution of bonds in the construction of hair)

जैसे कि हमे ज्ञात है कि बंधन कोशिकाओ से ठोस रूप में परिवर्तित होकर केश का रूप लेते है। अमिनो अम्ल आपस मे पैप्टाइड बंधनो से जुडे रहते है।

पेप्टाइड श्रृंख्ला आपस में पॉलीपेप्टाइड बंधन से जुडे रहते है पॉलीपेप्टाइड श्रृंख्ला कुण्डलित होकर

↓

हेलिक्स (Helix) बनाते है।

तीन कुंडलियाँ या हेलेक्स (Helix) आपस में जुडकर

↓

प्रोटोफाइब्रिल (Protofibril) का निर्माण करते है।

सात से 11 प्रोटोफाइब्रिल (Protofibril) आपस में गुंथकर

↓

माइक्रोफाइब्रिल (Microfibril) का निर्माण करते है।

बहुत सारे माइक्रोफाइब्रिल (Microfibril) आपस में मिलकर

↓

मेक्रोफाइब्रिल (Marcrofibril) बनाते है।

हजारो की संख्या में मेक्रोफाइब्रिल (Marcrofibril) आपस में गुंथकर

↓

कोर्टेक्स (Cortex) का निर्माण करते है।

यह सारी क्रियाएं रोमकूपों (Follicles) में होती है। ठीक इसी प्रकार क्यूटिकल (Cuticle) की परतो का निर्माण भी हो रहा होता है। यह सारी क्रिया एक नर्म, स्पंजी उत्तक जिसे मैडयूला (Medulla) कहते है के इर्द-गिर्द होती है।

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- पर्म छड़ के प्रकार
- पर्मिंग के लिए बाल का विभाजन
- रैपिंग प्रक्रिया एंव एंड पेपर का प्रयोग
- रैपिंग प्रविधि।

पर्म की मूलभूत तकनीक (Basic Perm Technique)

कॉस्मैटोलिजी में रसायनिक बदलावों के लिए दो प्रतिक्रियायें प्रयोग होती है।

- [illegible] (Physical changes) - यह रॉड के द्वारा दिया जाता है।
- रसायनिक परिवर्तन (Chemical changes) : यह रसायन के प्रयोग द्वारा दिया जाता है।

बाल में स्थायी बदलाव लाने के लिए रसायन का प्रयोग आवश्यक है। जो बाल में दो प्रकार से परिवर्तन लाता है:

1 घटाव या अपयचन (Reduction) - घटाव या अपचयन का प्रयोग सैलूनों में पॉलीपेप्टाइड श्रृंख्ला के बीच मौजूद डाइसल्फाइड बंधनों को तोडने के लिए किया जाता है।

2 ऑक्सीकरण या उपचयन (Oxidation) - ऑक्सीकरण या उपयन प्रक्रिया का प्रयोग पुर्नगठन में किया जाता है।

पर्म छड के प्रकार (Types of Perm rods)

पर्म छड का चुनाव बाल के घुघराले आकार पर निर्धारित करते है। छडो का निर्माण हल्के वजनदार प्लास्टिक से होता है। लकडी के छड मेंपर्म में प्रयोग किए जाते है। छड विभिन्न आकार के होते है। बडे छड 3/4 इंच से लेकर छोटे छड 1/8 इंच की लंबाई तक होते है।

छड का चुनाव संभावित घूंघर (Curl) का आकार और बाल की ईकाई देखकर तय की जानी चाहिए।

छड की लंबाई का चुनाव ग्राहक के सिर के आकार और उसके हर हिस्से की चौडाई के हिसाब से करें।

छडों के आकार (Shape of rods)

नाम	बाल	चित्र
1.सीधा छड (Stright rods)	छोटे व मध्यम लंबाई	

2. अवतल छड (Concave Rods) छोटे व मध्यम लंबाई

3. घुमावदार छड (Spiral rods) मध्यम व लंबे

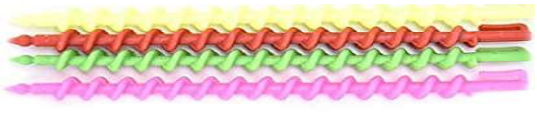

4. लूप छड (Loop rods) मध्यम व लंबे

5. चोपस्टिक छड (Chopstick rods) केवल लंबे

पर्मिंग के लिए बाल का विभाजन (Division of hair for perming)

सिंगल हेलो रैप (Single halo wrap) :- बाल को नौ भागो में बाँटा जाता है। इसे हम सिंगल हेलो रैप के नाम से भी जानते है। इस प्रकार के रैप गर्म किए गए फर्मिंग के लिए किया जाता था। किंतु आधुनिक सैलून में इस प्रतिरूप का प्रयोग यदा कदा ही देखने को मिलता है। इसका प्रमुख कारण है कि यह क्रिया बालों के पैटर्न का अनुसरण नही करता। जिसके